मामले का अध्ययन - सम्पत्ति विवाद

सम्पत्ति को लेकर एक पारिवारिक रिश्ते में खटास आ गई। मामला इतना बिगड़ गया कि अदालत का दरवाज़ा खटखटाया गया। सभी लोग इस सम्पत्ति के एक चौथाई हिस्सेदार थे। इस सम्पत्ति पर 1979 में कर्ज़ भी लिया गया था। भाइयों में से एक, सैम, उस सम्पत्ति की देखभाल करता था और किराया भी वसूल करता था। सैम के मुताबिक किराए से मिले गए पैसों से वह कर्ज़ की भरपाई करता था और सम्पत्ति की मरम्मत करता था। अन्य भागीदारों ने यह माँग की कि सैम किराए के पैसे और किए गए मरम्मतकार्य का हसिाब दें। हालाँकि ऐसा न करने पर अन्य भागीदारों ने सैम के खिलाफ 2014 में हाई कोर्ट में एक केस फाइल कर दी। उन्होंने अदालत से इस आदेश की माँग की कि सम्पत्ति को बेच दिया जाए और उस पैसे को बराबर बाँट दिया जाए या फिर अन्य तीन हिस्सेदार सैम के शेयर सहित पूरी सम्पत्ति को खरीद लें। उन्होंने यह भी दावा किया कि जब तक अदालत का फैसला न हो, सम्पत्ति से हासिल किए गए सारे पैसे अदालत में जमा किए जाएँ। इस झगड़े ने रिश्तों के बीच दीवारें खड़ी कर दी जो सालों तक चली और फिर मामले को जल्द सुलझाने के लिए फीजी मिडिएशन सेन्टर को चुना गया है। सभी ने अपने-अपने झगड़े को अलग रखा और सफलतापूर्वक एक समाधान पर पहुँचे। सभी ने यह स्वीकार किया कि मीडिएशन से सभी एक निर्णय पर राज़ी हुए हैं। सभी आपसी रिश्ते को फिर से बनाए रखने में कामयाब हुए। परिवार के सदस्यों को अपने स्वयं के समझौते पर इस मामले में निर्णय लेने के लिए एक अवसर प्रदान किया गया। यह सभी के लिए एक जीत की स्थिति थी।

एफ.एम.सी कुशल और प्रभावी समस्या समाधान करता है

- एफ.एम.सी समझौते के नियम के हिसाब से पेशेवर मामले की पूर्ति करता है जो सस्ता और स्वष्ट फीस के साँचे में ढला होता है।
- हम सभी सेवाओं और सुविधाओं की व्यवस्था Level 1, Tabatolu House, Goodenough Street में करते हैं।
- अगर दलों में कोई मीडिएटर चुनने की सहमति न हो तो एफ.एम.सी अपनी पैनल की मीडिएटर में से किसी को चुन सकते हैं।
- एफ.एम.सी का समझौता एक अनूठे लाभ के साथ आ सकता है।
- समझौते की सहमति मर्ज़ी का फैसला दे सकता है।
- समझौते के समाधान को अदालत के आदेश के रूप में लागू किया जा सकता है।

धारणाओं का नमूना

एफ.एम.सी धारणाओं का नमूना

ठेके (कोन्ट्रेक्ट) में उपयोग के लिए:

इस कोन्ट्रेक्ट से सम्बन्धित विवाद या निकली गई समस्याएँ, या इनकी मौजूदगी, सम्पत्ति और इनकी पुष्टि पर उठाए गए सवाल फीजी मीडिएशन सेन्टर के मीडिएशन रूल के आधार पर किया जाएगा जो इस समय लागू है।

मीडिएटर की फीस

एफ.एम.सी की एक निश्चित फीस तय है। मीडिएटर की फीस एक सूची पर तैयार किए गए मूल्य पर आधारित होगी। फीस दलों द्वारा बाँटी जाएगी।

CONTACT US

Fiji Mediation Centre
Level 1, Tabatolu House, Goodenough Street.
Email: mediatewithusfmc@gmail.com
Website: www.fmc.gov.fj
Phone: (679) 3211371

फीजी में मीडिएशन

मीडिएशन: जहाँ जीत का समाधान आपके हाथ में है

SUPPORTED BY

EUROPEAN UNION

JUDICIAL DEPARTMENT

CONSUMER COUNCIL OF FIJI

मिडिएशन (समझौता) क्या है?

मिडिएशन (समझौता) एक तरीका है जिससे लोगों के झगड़े को सुलझाने के लिए उनके बीच सुलह किया जाता है। कोशिश यही रहती है कि इस फैसले से दोनों दलों की जीत हो और दोनों खुश रहे मिडिएशन का तरीका बिलकुल सरल और औपचारिक होता है।

समझौता क्यों?

- दोनों दल पैसा और समय बचा सकेंगे।
- विवाद का शीघ्र समाधान भावनात्मक तनाव को कम कर सकता है।
- विवाद तुरन्त निपटाया जा सकता है।
- ये मुक्केबाज़ी के खर्चे से भी कम हो सकता है। अगर लोग समझौते को जल्द सुलझा लेंगे तो मुक्केबाज़ी के मिलान में काफी खर्च बचा सकते हैं।
- शिकायतकर्ता और उत्तरदाता समस्या का हल एकान्त में कर सकते हैं।
- समझौता एक अनऔपचारिक वातावरण में होगा, जो दोनों दलों के बीच संचार का साधन बनेगा। इसमें कोई भी खतरा या डर नहीं महसूस करेगा।
- विवाद में ठोस कानूनी मुद्दे, व्यक्तिगत मुद्दों से अलग रहेंगे, जोत नाव कम करने में और मामला सुलझाने में सहायक होंगे।
- काफी हद तक समझौता दलों के बीच के रिश्ते को बरकरार रखता है।
- समझौता दलों को अपने स्वयं के विवाद पर नियन्त्रण बनाए रखने की सुविधा देता है। अगर दोनों दल मुकदमे के लिए जाते हैं तो वे फैसला मेजिस्ट्रेट या न्यायाधीश के हाथ में सौंप देते हैं। ऐसे में एक की हार और दूसरे की जीत होती है।
- यह दोनों दलों के लिए जीत का माहौल तैयार करती है जो समझौते की शर्तों को तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

समझौता गुप्त रहेगा

अदालत में जहाँ कुछ बातों को छोड़कर बाकी सारी बातें खुले रूप से होती है, उसके मिलान में यहाँ समझौते में सारी बातें गुप्त रहती है। सुलह करने वाले व्यक्ति का संचार गुप्त होता है, जो समझौते के किसी मामले को ज़ाहिर नहीं करता है।

दलों की मर्ज़ी

समझौता आपकी मर्ज़ी से ही होगा। मीडिएशन द्वारा मामले को सुलझाने के लिए दोनों दलों की रज़ामंदी ज़रूरी है।

समझौता कराने वाले क्या करते हैं?

मीडिएटर की मदद से लोग मुद्दों को आसानी से समझ सकते हैं, अपने हित की पहचान कर सकते हैं तथा स्वयं समाधान तक पहुँच सकते हैं। मीडिएटर पक्षपाती नहीं होता (किसी का पक्ष नहीं लेता) और बातचीत की सुविधा में मदद करता है लेकिन अंतिम निर्णय बनाने वाला, पंच या न्यायधीश नहीं होता। मीडिएटर की मदद से दोनों दल अपना समाधान खुद बनाते हैं। मीडिएटर कोई भी समाधान लागू नहीं करता।

किस तरह की समस्याएँ समाधान से हल हो सकती हैं?

समझौते से कई प्रकार की समस्याएँ हल किए जा सकते हैं। यहाँ कुछ उदाहरण दिए जा रहे हैं:

- व्यापार और ठेके की समस्याओं में
- न वसूल किया गया कर्ज़
- व्यक्तिगत चोट
- दुर्घटना / बीमा दावा
- उपभोक्ता और व्यापारी ध सेवा प्रदान करने वाले विवाद
- मकान मालिक ध किराएदार विवाद
- पारिवारिक विवाद
- विल और ट्रस्ट पर विवाद
- स्माल क्लेम ट्राइब्यूनल में दरार किया गया कोई भी ऐसा मामला
- और भी कई ऐसे विवाद जिसके लिए दोनों पक्ष समझौते के लिए राज़ी हों

भाषा

एफ.एम.सी हिन्दी-अंग्रेज़ी और ई-तौकई भाषा में समझौता कर सकते हैं। इंटरप्रेटर इन भाषाओं में मदद पहुँचा सकते हैं।

समझौता तुरन्त हो सकता है

समझौता आमतौर पर दोनों दलों की रज़ामंदी या वकील की तय की गई तारीख पर हो सकता है। कई मामलों में बस कुछ ही घण्टे लगते हैं, लेकिन जटिल मामलों और तलाक में, कई बार भी मिलना सामान्य है।

कानूनी सलाह और वकील

मीडिएटर किसी भी दल को कानूनी सलाह नहीं प्रदान करते। वकीलों को समझौते में भाग लेने की अनुमति है, लेकिन अधिकतर लोग बिना वकील के आते हैं और किए गए समझौते का बाद में अपने वकील से निरीक्षण कराते हैं। आमतौर पर दोनों दल एक-दूसरे से खुद ही बात कर सकते हैं, न कि उनके वकील द्वारा।

अगर मामला पहले से न्यायालय में दायर है तो क्या मैं समझौता कर सकता हूँ?

फीजी के न्यायाधीश और मेजिस्ट्रेट हमेशा ये प्रोत्साहित करते हैं कि किसी भी समय इस मामले को समझौते द्वारा सुलझाया जा सकता है। अगर आप सुनवाई से पहले इस समस्या का हल कर लेते हैं तो मुकदमा आगे नहीं बढ़ता है। आपको टेम्स ओफ सेटलमंट फाइल करना होगा कि आपने इस केस को सुलझा लिया। अगर आपने समझौते की कोशिश की लेकिन कोई निर्णय पर न आ पाए तो आप फिर से अदालत जा सकते हैं।

समझौते से लोग चल रहे रिश्ते में सुधार ला सकते हैं

परिवार के सदस्य और व्यापार सम्बन्धित लोग जो झगड़े से सम्पर्क में हैं अपने रिश्ते का सुधार समझौते द्वारा कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली समस्याओं से निपट सकते हैं। मीडिएशन से रिश्ता सुधरता है।

सफलता की कहानी

यहाँ एक परिवार की सम्पत्ति का विवाद है, जो अदालत में दायर था जिसको समझौते द्वारा सुलझाया गया